100 वर्षों तक स्वस्थ,
सुखी व सम्पन्न जीने के लिए

Shuddhi
AYURVEDA CLINICS & HOSPITAL

JEENA SIKHO LIFECARE LIMITED

REGD OFFICE: ZIRAKPUR, SCO 11, Kalgidhar Enclave, Baltana, 98283-91602, 98764-03632
KOTA : 1-C-3, SFS, Sheela Choudhary Road, Talwandi, Kota, Rajasthan, 95836-95830
Email ID.: Shuddhihospitalkota@jeenasikho.co.in

Ref. No. ....

Dated 26/12/22

NC05/ MOM 2E: SOPs for preparation of Panchakarma medications are not evidenced. Eg: Takradhara procedure.

- As advised, attached file contains the SOP of Takradhara method of preparation and the material used.

Yogesh 26/12/22 5:00 PM

JEENA SIKHO LIFECARE LTD.
1-C-3, SFS Sheela Choudhary Road
Talwandi, Kota Rajasthan-324005

॥आचार्य मनीष जी॥

100 वर्षों तक स्वस्थ,
सुखी व सम्पन्न जीने के लिए

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत

Shuddhi
AYURVEDA CLINICS & HOSPITAL

JEENA SIKHO® LIFECARE LIMITED
REGD OFFICE: ZIRAKPUR, SCO 11, Kalgidhar Enclave, Baltana, 98283-91602, 98764-03632
KOTA : 1-C-3, SFS, Sheela Choudhary Road, Talwandi, Kota, Rajasthan, 95836-95830
Email ID.: Shuddhihospitalkota@jeenasikho.co.in

Ref. No. .... Dated 21/12/25

तक्र शिरोधारा

सिर पर विशेषत – कपाल प्रदेश पर ओषधि क्वाथ, छाछ, इक्षुरस, घी, तेल इत्यादी से विशिष्ट प्रकार से धारा छोड़ना शिर : सेक कहलाता हे इसे शिरोधारा भी कहते हे !

धारापात्र - शिरोधारा करने के लिय एक विशिष्ट पात्र का उपयोग किया जाता हे उसे धारापात्र कहते हे !यह धारापात्र सुवर्ण,लोह पीपल ताम्र, स्टील ,लकड़ी अथवा मिटटी का बना होता हे ! इस पात्र का मुख छोड़ा होता हे !निचे की और गोलाई में सिकुड़ा होता हे!तथा गहराई में 6 इंच का होता हे !

इसमें 2 प्रस्थ 64 ओंश (लगभग 2 लीटर) द्रव की क्षमता कम से कम होनी चाहिए! पात्र के निचे तल भाग में कानिस्टका अंगुली का अग्रभाग प्रविष्ट हो सके इस तरह का लग –भग 2 सेमी. परिणाम का छिद्र के ऊपर वर्तुकार लकड़ी या धातु निर्मित कप के आकार का छिद्र युक्त पात्र इस प्रकार रखा जाता हे कि जिसमे इसका छिद्र तथा धारपात्र का छिद्र दोनों सामान्तर दिशा में हे!इस पात्र के स्थान पर नारियल का बराबर आधा कटा हुआ कवच भी उपयोग ला सकते हे! धारा पात्र में जो भी छिद्र पात्र के निचे वाले भाग में एक पीतल या स्टील की टूटी लगाई जाती हे! जो आतुर के सिर से 4 अंगुल ऊचाई पर लगाई जाती हे !

Dr. YOGESH HANDA
BAMS (Ayurvedacharya)
Reg. No.- 27732
Shuddhi Ayurveda Panchkarma Hospital, Kota

JEENA SIKHO® LIFECARE LIMITED
REGD OFFICE: ZIRAKPUR, SCO 11, Kalgidhar Enclave, Baltana, 98283-91602, 98764-03632
KOTA : 1-C-3, SFS, Sheela Choudhary Road, Talwandi, Kota, Rajasthan, 95836-95830
Email ID.: Shuddhihospitalkota@jeenasikho.co.in

Ref. No. .....

Dated 21/12/22

धारा टेबल

धारा टेबल की लम्बाई 7 फिट, छोड़ाई 21/2 फिट, ऊंचाई 2'/2 फिट इसकी ऊपरी सतह पर दोनों बाजुओ में किनारों से तीन – तीन इंच तक ऊपर तक ऊंचाई की दीवार वाली होनी चायेही! जिसमे टेबल पर गिरा हुआ द्रव बाहर न जा सके और निचे रखे हुए पात्र में एकत्रित हो जाये

धारा स्टैंड

रस्सी या जंजीर से बांधकर धारापात्र को स्टैंड पर लटकाया जाता हे | धारा पात्र की ऊचाई इतनी रखते हे की वर्ती की ऊचाई रोगी के सिर से लगभग 4 अंगुली या लगभग 20CM रहे |

तक्र धारा

निर्माण विधि – एक वर्ष तक धुप और वायु में सुखाये हुए आंवले का चूरण 800 GM लेना चाहिए जिसमे आंवले के बीज नही | इसमें 2.5 लीटर जल डालकर 1/6 शेष अर्थात 400 ML के लगभग शेष रहे ऐसा काव्य बना ले! इसमें 1000ml तक डालकर शिरोधार करनी चाहिए !

गुण कर्म

(1) पलित्य रोकने में
(2) ओजशय दूर होता हे
(3) शिर:शूल का शमन होता हे
(4) उध्वर्त्रुगत रोगों में लाभदायक!
(5) मूत्र रोग में लाभदायक हे

Dr. YOGESH HANDA
BAMS (Ayurvedacharya)
Reg. No.- 27732
Shuddhi Ayurveda Panchkarma Hospital, Kota